पापों से बचने का प्रयास करें : आचार्य महाश्रमण

छोटीसवाई 25 नवज़्बर, 2010

तेरापंथ धर्मसंघ के ग्यारहवें अधिशास्ता आचार्य महाश्रमण सरदारशहर के मघवा स्मारक से प्रात: 7.30 बजे विहार कर छोटी सवाई पहुंचे।

छोटीसवाई के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अपने एक दिवसयी प्रवास के दौरान उन्होंने उपस्थित धर्मसभा एवं विद्यालय के बच्चों, ग्रामीणों को पांच प्रकार से पापों से बचने की प्रेरणा दी उन्होंने कहा कि पांच प्रकार के पापों में पहला पाप है प्राणातिपाप जीव हिंसा, दूसरा पाप है झूठ बोलना, तीसरा है चोरी करना, चौथा परस्त्रीगमन और पांचवां है मदिरापान करना जो इनमें आसक्त रहता है वह अपने मूल को उखाड़ देता है, इन पापों से बचने का प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि कुछ हिंसाए जो जीवन को चलाने के लिए आवश्यक होती है जिसमें आरंभजा हिंसा, प्रतिरक्षात्मक हिंसा और संकल्पजा हिंसा खेती आदि करते हैं तो उसमें हिंसा होती है, राष्ट्र, परिवार की रक्षा के लिए हिंसा करनी होती है उसे आवश्यक कोटि की हिंसा में लिया जा सकता है, किंतु जो अनावश्यक हिंसा है उससे व्यक्ति को बचना चाहिए। जीव हिंसा कुमार्ग है और अहिंसा सन्मार्ग है।

आचार्य महाश्रमण ने कहा कि चोरी करना पाप है पराये धन को धूल के समान समझना चाहिए, मदिरापान चित्त को भ्रांत, विक्षिप्त बनाता है जिससे वह अपराध में चला जाता है, अपराध से वह दुर्गति में चला जाता है, नशीले पदार्थों का संयम करना चाहिए उससे बचना चाहिए। यदि ग्रामीण लोग खेती, मजदूरी करके धन कमाते हैं अगर वह धन नशे में खर्च कर देते हैं तो फिर उनकी गरीबी वैसी की वैसी ही रहता है, इसलिए नशे से बचने का प्रयास करना चाहिए।

इस अवसर पर चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष सुमतिचन्द गोठी, मंत्री रतन दुगड़, स्वागताध्यक्ष बिमलकुमार नाहटा, कोषाध्यक्ष राजकरन सिरोहिया, तेरापंथी सभा के अध्यक्ष अशोक नाहटा, करणीदान चिण्डालिया, पीरदान बरमेचा आदि गणमान्य व्यक्ति विशेष रूप से उपस्थित थे।

महामंत्री रतन दुगड़ ने जानकारी देते हुए बताया गया कि आचार्यश्री महाश्रमण सवाईगांव से प्रात: 7.35 बजे से विहार कर बंधनाऊं गांव पहुंचेंगे तथा बसों की व्यवस्था गांधी चौक से प्रात: 7 बजे से प्रारंभ होगी।

इस अवसर पर तेरापंथ महिला मण्डल सरदारशहर द्वारा भाव पूर्वक विदाई गीत प्रस्तुत किया, विद्यालय के प्राधानाचार्य नारायणराम ने अपनी भावनाएं व्यक्त की।

आज होगा मुनि सुमेरमल का विहार

सरदारशहर 23 नवज़्बर।

आचार्य महाश्रमण के साथ तेरापंथ भवन में चातुर्मास करने वाले मुनि सुमेरमल सुदर्शन, मुनि तन्मयकुमार, आचार्य महाप्रज्ञ की 300वीं पुस्तक 'जो सहता है वही रहता है' के सज़्पादक मुनि जयंतकुमार, मुनि अनुशासन कुमार, मुनि मेरूकुमार का (24 नवज़्बर) प्रातः 7.30 बजे सरदारशहर से लाडनूं के लिए विहार होगा। उक्त जानकारी देते हुए तेरापंथ सभा के अध्यक्ष अशोक नाहटा ने बताया कि मुनिवृंद श्रीसमवसरण से विहार कर कुबेर पैलेस में 24 नवज़्बर का प्रवास करेंगे। वहां से सायं विहार कर रणजीतमल पींचा की फैक्ट्री में रात्रि विश्राम करेंगे। 25 को रिटकोर, 26 को चैनपुरा, 27 को संकटमोचन बालाजी, 28 को रतनगढ़ होते हुए 4 दिसज़्बर को लाडनूं जैन विश्व भारती में मंगल प्रवेश करेंगे। वहां पर अपने एक महीने के प्रवास में मुनिवृंद साहित्य, पाण्डुलिपियों एवं तुलसी कलाप्रेक्षा से संबंधित विशेष कार्य करेंगे। अध्यक्ष नाहटा ने बताया कि मुनिवृंद के सरदारशहर से विहार अवसर पर तेरापंथ महिला मण्डल, तेरापंथ कन्या मण्डल, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ किशोर मण्डल के सदस्य पैदल चलकर सेवा का लाभ लेंगे।

प्रतिभावान छात्रों का अभिनन्दन

श्री जैन श्वेताज़्बर पार्श्वनाथ मन्दिर की तरफ से आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में मघवा स्मारक में प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सज़्मान एवं तप अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया। मंदिर व्यवस्थापक अशोक नाहटा, मंत्री पीरदान बरमेचा, सुपारस चिण्डालिया, करणीदान चिण्डालिया, तेजकरण, चंपालाल, बजरंग आदि ने प्रतिभावाना छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। संचालन नविता नाहटा व कांता चिण्डालिया ने किया।